बुधवार, 1 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

ओवर्टन बने नंबर 8 पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अनुष्का शेट्टी की धमाकेदार वापसी मलयालम सिनेमा में डेब्यू

Page-05

बिहारशरीफ के मां शीतला मंदिर में भगदड़

8 महिलाओं की मौत, कई घायल

बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित प्रसिद्ध मां शीतला मंदिर (मघड़ा) में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्र हुए थे। इसी दौरान अचानक भगदड़ मच गई, जिससे माहौल अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे और इस दौरान कई श्रद्धालु एक-दूसरे के नीचे दब गए।इस भीषण हादसे में अब तक 8 महिलाओं की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तत्काल इलाज के लिए बिहारशरीफ के मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। कुछ घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत-बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने हालात को नियंत्रित करने के साथ-साथ घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू किया। मंदिर परिसर और आसपास के इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि स्थिति सामान्य बनी रहे।इस हादसे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, साथ ही घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को कहा है।सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की गई है। प्रत्येक मृतक के परिवार को कुल 6 लाख रुपये की मदद दी जाएगी, जिसमें 4 लाख रुपये आपदा प्रबंधन विभाग और 2 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाएंगे।सरकार ने भरोसा दिलाया है कि इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

CAG रिपोर्ट में बड़ा खुलासा: सेना के अस्पतालों की हालत खराब

कम्प्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया (CAG) की डिफेंस से जुड़ी रिपोर्ट सोमवार को संसद में पेश की गई, जिसमें सेना की व्यवस्थाओं को लेकर कई गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। रिपोर्ट में मिलिट्री अस्पतालों की खराब स्थिति और जवानों को समय पर वेतन-भत्ते न मिलने जैसी चिंताजनक बातें सामने आई हैं।रिपोर्ट के अनुसार, सेना के निर्माण कार्यों से जुड़े साइट रिकॉर्ड्स ठीक से मेंटेन नहीं किए गए, जिससे काम की गुणवत्ता और ठेकेदार की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो गया। CAG ने सुझाव दिया है कि इन रिकॉर्ड्स को डिजिटल किया जाए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। वहीं, प्रोविजनल फाइनल सेटलमेंट ऑफ अकाउंट्स (PFSA) की समय पर समीक्षा न होने के कारण रिटायरमेंट के समय अधिकारियों, जूनियर कमीशंड ऑफिसर्स (JCOs) और अन्य कर्मियों से एकमुश्त बड़ी राशि की वसूली करनी पड़ी। आईटी सिस्टम में जरूरी नियम शामिल न होने से कई जवानों को उनका वेतन और भत्ता समय पर नहीं मिल पाया।

लिएंडर पेस ने थामा बीजेपी का दामन

बंगाल की राजनीति में बढ़ी हलचल

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उनके इस कदम ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार भी मौजूद रहे।लिएंडर पेस का भाजपा में शामिल होना राज्य की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मौजूदा समय में पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं और सभी दल अपनी रणनीतियों को मजबूत करने में जुटे हैं।इस मौके पर किरण रिजिजू ने कहा कि पेस का भाजपा परिवार में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में खेल और खिलाड़ियों को मिले बढ़ावे की भी सराहना की।वहीं, लिएंडर पेस ने इसे अपने जीवन का खास दिन बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और नितिन नबीन का आभार जताते हुए कहा कि यह उनके लिए देश के युवाओं और खेल के क्षेत्र में योगदान देने का नया अवसर है।गौरतलब है कि लिएंडर पेस भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने के साथ कई ग्रैंड स्लैम खिताब भी अपने नाम किए हैं। अब वह राजनीति के मैदान में नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं।अपने लंबे खेल करियर को याद करते हुए पेस ने कहा कि उन्होंने 40 साल देश के लिए खेला है और अब युवाओं की सेवा करने का समय है। साथ ही, उन्होंने केंद्र सरकार की खेल योजनाओं जैसे खेलो इंडिया और टॉप्स स्कीम की भी जमकर तारीफ की।

हैदराबाद में जयललिता का घर सील

1.5 करोड़ का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया, GHMC की बड़ी कार्रवाई

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (GHMC) ने मंगलवार को श्रीनगर कॉलोनी स्थित एक मकान को सील कर दिया। यह संपत्ति तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता से जुड़ी बताई जा रही है और लंबे समय से बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के कारण यह कार्रवाई की गई।अधिकारियों के मुताबिक, इस प्रॉपर्टी पर करीब 1.5 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया है, जो कई वर्षों से जमा नहीं किया गया था। GHMC ने जयललिता के कानूनी वारिसों को कई बार नोटिस भेजकर बकाया चुकाने को कहा, लेकिन समयसीमा के भीतर कोई भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और मकान को सील कर दिया।GHMC कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने बताया कि 31 मार्च से पहले बड़े टैक्स डिफॉल्टर्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि निगम सभी बकायेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठा रहा है।जानकारी के अनुसार, यह संपत्ति 2017 से ही डिफॉल्टर की श्रेणी में थी और इस साल फरवरी में भी नोटिस जारी किया गया था। सूत्रों का कहना है कि यह मकान पहले विजय माल्या को लीज़ पर दिया गया था, और उसी समय से टैक्स बकाया बढ़ना शुरू हुआ।GHMC द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत हाल के हफ्तों में 100 से अधिक बड़ी रिहायशी और व्यावसायिक संपत्तियों को सील किया जा चुका है, जिनमें होटल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और ऑफिस शामिल हैं।अधिकारियों के अनुसार, GHMC क्षेत्र में कुल प्रॉपर्टी टैक्स बकाया 1,400 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है, जो लगभग 3.5 लाख संपत्तियों पर फैला है।

साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन

भारत ने सेमीकंडक्टर सेक्टर में बढ़ाया बड़ा कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया, जिसे भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यह देश का दूसरा प्रमुख सेमीकंडक्टर प्लांट है और इससे भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने प्लांट का दौरा किया और वहां काम कर रहे इंजीनियरों व ऑपरेटर्स से बातचीत कर उनकी कार्यप्रणाली को करीब से समझा। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाया और देश के टेक्नोलॉजी सेक्टर में उनकी भूमिका की सराहना की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि महीने की शुरुआत और अंत दोनों समय उनका साणंद आना महज संयोग नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि भारत सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में तेज़ी से प्रगति कर रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि साणंद अब वैश्विक तकनीकी केंद्र सिलिकॉन वैली से जुड़ता हुआ नजर आ रहा है। यहां बनने वाले उत्पादों का बड़ा हिस्सा पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बुक हो चुका है, जो "मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड" की नीति को मजबूती देता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण और भरोसेमंद भागीदार बन जाएगा।उन्होंने केन्स जैसी भारतीय कंपनियों की सराहना करते हुए कहा कि ये कंपनियां अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं। इससे देश में निवेश बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।इस अवसर पर केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी परियोजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्लांट इंजीनियरों के लिए किसी सपने के साकार होने जैसा है। उन्होंने बताया कि महज 14 महीनों में इस प्लांट का निर्माण और उत्पादन शुरू होना सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व का परिणाम है।

सेमीकंडक्टर मिशन को मिलेगी नई गति

पीएम मोदी ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के सानंद में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया। यह भारत में दूसरा ऐसा संयंत्र है। उद्घाटन से देश की तकनीकी और विनिर्माण क्षमता बढ़ेगी, रोजगार सृजन होगा और भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अहमदाबाद के सानंद जीआईडीसी में 3,300 करोड़ रुपये की लागत से बने केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया। यह भारत में इस प्रकार का दूसरा संयंत्र है और इसे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में देश के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। प्रधानमंत्री ने इस संयंत्र को भारत के सेमीकंडक्टर मिशन की प्रमुख पहलों में से एक बताया, जिसका उद्देश्य देश को इस रणनीतिक तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस नए संयंत्र की स्थापना से भारत के सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और यह देश के लिए अत्याधुनिक तकनीकी उत्पादों का एक बड़ा स्रोत बनेगा। गुजरात के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने बताया कि यह संयंत्र प्रतिदिन 7 लाख से अधिक चिप्स का उत्पादन करेगा, जो भारत की उद्योग और प्रौद्योगिकी क्षमता में वृद्धि का संकेत है। मंत्री ने कहा, "यह परियोजना प्रधानमंत्री मोदी के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें चुनौतियों को अवसरों में बदलने की क्षमता दिखाई देती है। केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र के साथ हम भविष्यवादी तकनीकी उद्योग के युग में कदम रख रहे हैं। "प्रधानमंत्री ने इस उद्घाटन से पहले ही दिन गांधीनगर के महावीर जैन आराधना केंद्र परिसर में कोबा तीर्थ स्थित सम्राट संप्रति संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। यह संग्रहालय जैन धर्म की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय का नाम अशोक के पोते, सम्राट संप्रति, के नाम पर रखा गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय न केवल धार्मिक महत्व का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और इतिहास को युवाओं तक पहुँचाने का भी एक प्रयास है। इससे पहले फरवरी में, प्रधानमंत्री मोदी ने माइक्रोन सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन किया था, जो भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन के क्षेत्र में पहले बड़े कदमों में से एक था। केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र के उद्घाटन के साथ, देश अब टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग उद्योग में नई ऊँचाइयों को छूने की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से बढ़ रहा है। इस संयंत्र की स्थापना से न केवल उद्योगिक उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि यह रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही, यह परियोजना भारत की ग्लोबल सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका को भी सुदृढ़ करेगी और देश को उच्च तकनीकी उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह पहल इस बात का भी प्रतीक है कि भारत चुनौतियों को अवसरों में बदलते हुए तकनीकी नवाचार और उद्योग के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ रहा है। यह संयंत्र न केवल भारत की आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि भविष्य में देश को डिजिटल और हाई-टेक उद्योगों में अग्रणी बनने में भी मदद करेगा।

पाकिस्तान में भीषण गैस पाइपलाइन धमाका

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पाकिस्तान में ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई के बीच एक और बड़ा झटका लगा है। बलूचिस्तान में एक भयंकर गैस पाइपलाइन धमाका हुआ, जिसने इस्लामाबाद से लेकर लाहौर तक खलबली मचा दी। धमाका इतना जबरदस्त था कि पाइपलाइन का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया और आग की लपटें दूर-दूर तक देखी गईं।घटना के तुरंत बाद एसएसजीसी की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। मुख्य वाल्व बंद करके आग पर काबू पाया गया, लेकिन सुरक्षा कारणों से गैस सप्लाई पूरी तरह से रोक दी गई। इसका असर सीधे क्वेटा शहर और बलूचिस्तान के कई इलाकों जैसे एयरपोर्ट रोड, नवानकली, जिन्ना टाउन और कुचलक पर पड़ा। लोगों के घरों में चूल्हे तक नहीं जल पा रहे हैं और पहले से मौजूद ऊर्जा संकट और विकराल रूप ले लिया है। पुलिस और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस धमाके ने पाकिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी उजागर की है – ऊर्जा सुरक्षा। पहले से ही एलएनजी और पीएनजी की भारी कमी के चलते देश झूझ रहा है। कतर और यूएई से सप्लाई प्रभावित है, और ईरान युद्ध के चलते स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोंस पर दबाव भी है। यह सिर्फ एक हमला नहीं बल्कि पाकिस्तान को अंदर से अस्थिर करने की कोशिश है। ऊर्जा सप्लाई पर हमला सीधे जनता, उद्योग और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूज़र्स सरकार और अधिकारियों को सलाह दे रहे हैं कि वे अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान दें और अपने देश के हालात सुधारने के लिए कदम उठाएं। सरकार ने पाइपलाइन की मरम्मत शुरू कर दी है, लेकिन अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि गैस सप्लाई कब से बहाल होगी।

जयशंकर ने नालंदा विश्वविद्यालय के

द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्नातकों को किया प्रोत्साहित

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को नालंदा विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लेकर विश्वविद्यालय की प्रगति की सराहना की और इससे जुड़े होने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने इस अवसर पर परंपरा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक कूटनीति के संगम पर जोर देते हुए स्नातकों को विश्वविद्यालय के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। जयशंकर ने अपने भाषण में कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय की परंपरा वैश्विक लोकतंत्र और बहुपक्षीय व्यवस्था में एक सशक्त प्रभाव डाल सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक बहसें अक्सर प्रौद्योगिकी पर केंद्रित हैं, लेकिन मानवता और सांस्कृतिक विरासत को हमेशा याद रखा जाना चाहिए। उन्होंने "विकास भी, विरासत भी" के मंत्र के महत्व पर प्रकाश डाला और स्नातकों को अपने ज्ञान और कौशल का सदुपयोग करते हुए समाज और विश्वविद्यालय के लिए योगदान देने के लिए प्रेरित किया।विदेश मंत्री ने अपने एक्स प्लेटफ़ॉर्म पोस्ट में बताया कि समारोह में 600 से अधिक स्नातक शामिल थे, जो 31 देशों से आए थे। उन्होंने कहा कि यह एक साझा यात्रा का प्रतीक है और नालंदा विश्वविद्यालय भारत की बौद्धिक विरासत और सांस्कृतिक गौरव की स्मृतियों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है।जयशंकर ने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक महत्व और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में इसके पुनरुद्धार की प्रशंसा की। उन्होंने स्नातकों को याद दिलाया कि उनका योगदान विश्वविद्यालय की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इसे वैश्विक स्तर पर और सशक्त बनाने में मदद कर सकता है।समारोह में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों की भी उपस्थिति रही। विदेश मंत्री ने कहा कि नालंदा न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि यह प्रौद्योगिकी और परंपरा के संतुलन का उदाहरण भी है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव

14-15 मई को भारत का दौरा करेंगे

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 14 और 15 मई को नई दिल्ली का दौरा करेंगे। इस दौरान वे ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे, जिसमें भारत की अध्यक्षता में 2026 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अंतिम दस्तावेजों की रूपरेखा और सामान्य दिशा तय की जाएगी।रूसी उप विदेश मंत्री एंड्री रुडेंको ने टीएएसएस को बताया कि लावरोव ब्रिक्स कार्यक्रमों के समानांतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य भारतीय अधिकारियों से द्विपक्षीय बैठक के लिए भी अलग कार्य यात्रा पर आएंगे। इस दौरे का उद्देश्य भारत-रूस के स्थायी रणनीतिक साझेदारी और उच्च स्तरीय राजनयिक संबंधों को और मजबूत करना है।भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा। ब्रिक्स समूह की स्थापना 2006 में हुई थी और 2011 में इसके मूल सदस्यों में दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल हुए। इसके बाद मिस्र, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इथियोपिया 2024 में पूर्ण सदस्य बने, जबकि इंडोनेशिया 2025 में शामिल हुआ। बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान को आधिकारिक भागीदार का दर्जा मिल चुका है, और जनवरी 2026 में नाइजीरिया को भी यह दर्जा मिला। पिछले मार्च में लावरोव ने द्विपक्षीय साझेदारी की स्थायी प्रकृति और "समय-परीक्षित मित्रता" पर जोर दिया था। उन्होंने कहा कि 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रूस दौरा रूस-भारत संबंधों के रणनीतिक संरेखण को और सुदृढ़ करेगा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की 2025 की नई दिल्ली यात्रा के दौरान कई नीतिगत दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए थे, जो इस साझेदारी को आगे बढ़ाने की नींव हैं। लावरोव का यह दौरा रूस और भारत के रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ ब्रिक्स सहयोग को नई दिशा देने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

नारंगी आग और धुएँ का सैलाब

23 लाख की आबादी वाला शहर दहल उठा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को ईरान के इस्फ़हान में हुए एक बड़े विस्फोट का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में कई शक्तिशाली विस्फोट, आसमान में उठती नारंगी आग की लपटें और धुएँ के घने गुबार साफ दिखाई दे रहे हैं। हालांकि ट्रम्प ने इस वीडियो के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन मीडिया रिपोर्टों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार यह दृश्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा इस्फ़हान के प्रमुख गोला-बारूद डिपो पर किए गए संयुक्त हमले का प्रतीक है।इस्फ़हान ईरान का एक महत्वपूर्ण शहर है, जिसकी आबादी लगभग 23 लाख है। यहीं पर बदर सैन्य हवाई अड्डा भी स्थित है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सेना ने इस्फ़हान में गोला-बारूद डिपो पर 2,000 पाउंड (लगभग 907 किलोग्राम) के बंकर-भेदी बमों का इस्तेमाल किया। यह हमला डिपो को पूरी तरह नष्ट करने और क्षेत्र में ईरान की सैन्य क्षमताओं को कम करने के उद्देश्य से किया गया।हमले के बाद विस्फोटों की तीव्रता और आग की लपटों ने पूरे इलाके में गंभीर झटके और धुंध फैलाई। स्थानीय लोगों ने बड़ी अफरा-तफरी का अनुभव किया, जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित निगरानी बढ़ा दी।इसी बीच, ईरान ने अमेरिकी ड्रोन MQ-9 रीपर को इस्फ़हान शहर के ऊपर मार गिराने का दावा किया। हालांकि, रूस की T A S S समाचार एजेंसी ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) के हवाले से बताया कि ड्रोन को सफलतापूर्वक रोक लिया गया। इससे अमेरिकी-ईरानी तनाव और भी बढ़ गया है और वैश्विक स्तर पर सुरक्षा चिंताएं तेज हो गई हैं। इस हमले ने युद्ध के दूसरे महीने में प्रवेश करते हुए क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान, मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की जैसे देश फिलहाल राजनयिक समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिशीलता और कूटनीतिक दबाव में वृद्धि होगी। फिलहाल घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा निगरानी कड़ी कर दी गई है और आगे की घटनाओं पर अंतरराष्ट्रीय नजरें टिकी हुई हैं।

संपादक की कलम से

आज के तेज़ रफ्तार जीवन और लगातार बढ़ते तनाव के बीच यात्रा या भ्रमण सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है। नई जगहों की यात्रा, प्राकृतिक स्थलों का अनुभव और विभिन्न संस्कृतियों के संपर्क से व्यक्ति में मानसिक संतुलन, खुशी और रचनात्मकता बढ़ती है।भ्रमण का सबसे बड़ा लाभ तनाव कम करना माना जाता है। शहर की भीड़-भाड़, कार्य का दबाव और डिजिटल दुनिया के लगातार संपर्क से मानसिक थकान बढ़ती है। ऐसी स्थिति में यात्रा व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन से दूर ले जाती है और उसे मानसिक शांति का अनुभव होता है। मनोवैज्ञानिक इसे एक तरह की "रीसेट प्रक्रिया" मानते हैं, जिससे चिंता, अवसाद और नींद संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है। पर्यटन का प्रभाव केवल मानसिक शांति तक सीमित नहीं है। नए अनुभव और सीख व्यक्ति के दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों की संस्कृति, परंपरा, भोजन और स्थानीय जीवनशैली को समझने से सहिष्णुता, सामाजिक संवेदनशीलता और रचनात्मक सोच विकसित होती है। यह न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक है, बल्कि सामाजिक व्यवहार में भी सुधार लाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भ्रमण का महत्व और अधिक है। लंबी पैदल यात्रा, जंगलों या पहाड़ों में समय बिताना, खुले वातावरण में सांस लेना शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन को भी बढ़ाता है। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, प्राकृतिक स्थलों में समय बिताने से कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) का स्तर घटता है और व्यक्ति में सकारात्मक भावनाओं की वृद्धि होती है।हालांकि पर्यटन के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। अत्यधिक भीड़, ट्रैवल स्ट्रेस और यात्रा की गलत योजना मानसिक थकान और बेचैनी का कारण बन सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के लिए भ्रमण संतुलित और सुविचारित होना चाहिए। उदाहरण के लिए, प्राकृतिक स्थल, शांतिपूर्ण वातावरण और स्थानीय संस्कृति का अनुभव सबसे अधिक लाभकारी साबित होता है।भ्रमण के सामाजिक पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों के साथ संवाद और उनके रीति-रिवाजों का अनुभव व्यक्ति में सामाजिक सहिष्णुता और समझ को बढ़ाता है। यह मानसिक विकास के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का भी स्रोत बनता है।सारांश में कहा जा सकता है कि यात्रा सिर्फ मनोरंजन या छुट्टी का जरिया नहीं है, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने वाला एक शक्तिशाली उपकरण है। यह व्यक्ति को तनाव से मुक्त करता है, नई ऊर्जा और रचनात्मकता प्रदान करता है, और समाज के प्रति संवेदनशील बनाता है। भविष्य में मानसिक स्वास्थ्य और पर्यटन के बीच संबंध पर और शोध किए जाने की आवश्यकता है, ताकि भ्रमण को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और लाभकारी बनाया जा सके।

भाजपा का बड़ा दांव: 5 लाख करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश का वादा

निर्मला सीतारमण ने जारी किया संकल्प पत्र

असम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी विकास, निवेश और कानून व्यवस्था पर जोर दे रही है, जबकि कांग्रेस आर्थिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा और अधिकार आधारित गारंटी दे रही है। यह चुनाव विकास बनाम गारंटी के मुद्दे पर केंद्रित होकर राज्य की राजनीतिक दिशा तय करेगा।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल तेज हो गया है, जहां सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर मतदाताओं को साधने की कोशिश तेज कर दी है। दोनों दलों के वादों और प्राथमिकताओं से साफ संकेत मिलता है कि चुनावी मुकाबला विकास बनाम सामाजिक गारंटी के मुद्दे पर केंद्रित हो गया है। गुवाहाटी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाजपा का संकल्प पत्र जारी किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में पांच लाख करोड़ रुपये के बुनियादी ढांचा निवेश का बड़ा वादा किया। भाजपा के घोषणापत्र में कुल 31 प्रमुख वादे शामिल हैं, जिनमें मूल निवासियों की जमीन, सांस्कृतिक विरासत और सम्मान की रक्षा को प्राथमिकता दी गई है। पार्टी ने बांग्लादेशी मूल के कथित अतिक्रमणकारियों से भूमि वापस लेने, समान नागरिक संहिता लागू करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने का भी वादा किया है।सीतारमण ने दावा किया कि भाजपा का घोषणापत्र पिछले दस वर्षों में राज्य में हुए विकास कार्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में असम में शांति स्थापित हुई है और विकास को नई गति मिली है। उनका यह भी कहना था कि अब राज्य के कई युवा विदेशों की नौकरियां छोड़कर असम लौट रहे हैं, जो बढ़ते अवसरों का संकेत है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसके लंबे शासनकाल के दौरान राज्य लंबे समय तक अशांत रहा और सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (AFSPA) के दायरे में रहा। वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में आम जनता को सीधे राहत देने वाली पांच प्रमुख गारंटी पर जोर दिया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नौबोइचा में आयोजित एक जनसभा में घोषणापत्र जारी करते हुए महिलाओं के लिए बिना शर्त मासिक आर्थिक सहायता का वादा किया। कांग्रेस का कहना है कि हर महिला के बैंक खाते में सीधे धनराशि ट्रांसफर की जाएगी, साथ ही उन्हें स्वरोजगार के लिए 50 हजार रुपये की सहायता भी दी जाएगी। कांग्रेस ने यह भी कहा कि भाजपा की योजनाएं शर्तों से बंधी होती हैं, जबकि उनकी योजनाएं पूरी तरह बिना शर्त होंगी। इसके अलावा पार्टी ने प्रत्येक परिवार को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया है। भूमि अधिकार के मुद्दे पर कांग्रेस ने दस लाख भूमिपुत्रों को स्थायी जमीन का पट्टा देने की घोषणा की है, जिससे लोगों को बार-बार कागजी प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1250 रुपये मासिक पेंशन देने का भी वादा किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो सांप्रदायिक तनाव फैलाने वालों के खिलाफ कड़ा कानून बनाया जाएगा, जिसमें दोषियों को पांच साल तक की सजा का प्रावधान होगा। यदि दोनों दलों के घोषणापत्रों की तुलना की जाए, तो भाजपा का ध्यान दीर्घकालिक विकास, निवेश और कानून-व्यवस्था पर केंद्रित है, जबकि कांग्रेस तत्काल आर्थिक राहत, सामाजिक सुरक्षा और अधिकार आधारित योजनाओं को प्राथमिकता दे रही है। गौरतलब है कि असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 9 अप्रैल को होगा और मतगणना 4 मई को की जाएगी। ऐसे में यह चुनाव न केवल राज्य की राजनीतिक दिशा तय करेगा, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की राजनीति पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा।

राजनाथ सिंह ने तेजपुर में कांग्रेस पर साधा निशाना, भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

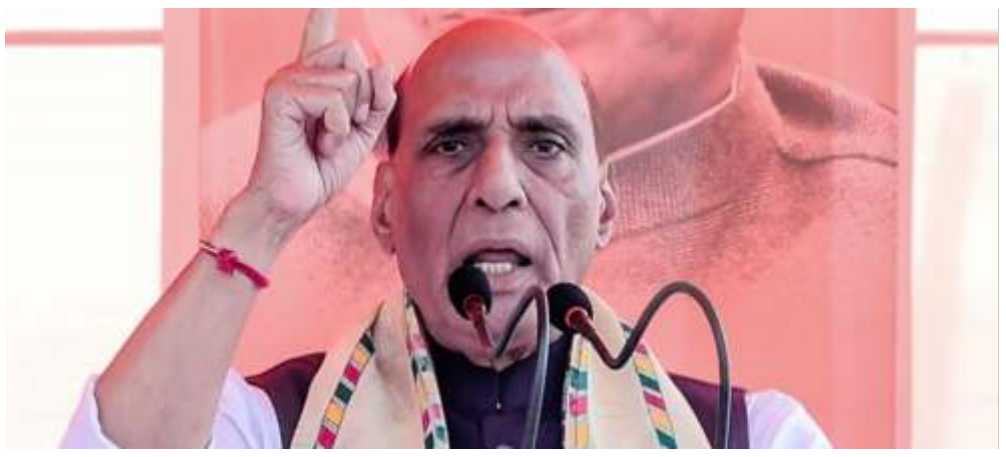

असम के तेजपुर में मंगलवार को आयोजित एक चुनावी रैली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पार्टी पर राज्य की उपेक्षा करने और असम के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगामी असम विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत पर भरोसा जताया और राज्य की सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक समृद्धि की भी सराहना की। रैली में एनडीए उम्मीदवार और असम गण परिषद के नेता पृथ्वीराज राभा भी उपस्थित थे।राजनाथ सिंह ने कहा कि असम की धरती संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है। राज्य की चाय की सुगंध न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर पहचान रखती है। उन्होंने असम के वीर नायक लचित बोरफुकन और राज्य के साहसी लोगों की देशभक्ति की मिसाल देते हुए कहा कि उनके जज्बे को देखकर कोई भी ताकत भाजपा सरकार के गठन को रोक नहीं सकती।उन्होंने भाजपा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि पार्टी असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में दो इंजन वाली सरकार राज्य में काम कर रही है और इसके कारण असम ने भारत में अपनी विशिष्ट पहचान कायम की है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने हमेशा असम की उपेक्षा की और उसके शासनकाल में राज्य की चर्चा उग्रवाद, गरीबी और अशांति तक सीमित रही। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस शासन में सीमावर्ती गांवों को 'पिछड़े गांव' कहा जाता था, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें 'पहले गांव' का दर्जा दिलाया।राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्वोत्तर दौरे का हवाला देते हुए कहा कि मोदी जी ने पिछले 12 वर्षों में इस क्षेत्र का 30 बार दौरा किया, जबकि कांग्रेस के शासनकाल में प्रधानमंत्री का दौरा बहुत कम होता था। उन्होंने अंत में जोर देकर कहा कि अब असम विकास की राह पर है और भाजपा ही इस बदलाव की प्रमुख वजह रही है। रैली में जनता ने भाजपा की उपलब्धियों को सराहा और असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह दिखाई दिया, जिससे राज्य में राजनीतिक गर्माहट और बढ़ गई है।

नालंदा के माता शीतलाष्टमी मंदिर में भगदड़

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नालंदा के मगरा स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में मंगलवार को भारी भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम आठ महिलाओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। घटना चैत्र माह के अंतिम मंगलवार को हुई, जब मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। भगदड़ के दौरान श्रद्धालुओं के इधर-उधर भागने से अफरा-तफरी मच गई और लोग आपस में ठोकरें खाने लगे।घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। मृतकों में रीता देवी (50) और रेखा देवी (45) शामिल हैं, जिनकी पहचान स्थानीय अधिकारियों ने कर दी है। घायलों का उपचार नजदीकी मॉडल अस्पताल में चल रहा है, जहां उन्हें प्राथमिक चिकित्सा एवं आवश्यक उपचार मुहैया कराया जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों के लिए कुल 6 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की। इसमें आपदा प्रबंधन विभाग से 4 लाख रुपये और मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपये शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों के उचित इलाज और बेहतर चिकित्सकीय सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने मुख्य सचिव को घटना की जांच का निर्देश दिया और पटना के आयुक्त को घटनास्थल पर भेजकर स्थिति का जायजा लेने को कहा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता एवं राहत प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि घायलों का उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है और मृतकों के परिजनों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।स्थानीय प्रशासन ने बताया कि मगरा गांव में स्थित माता शीतला मंदिर में हर मंगलवार भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन इतनी बड़ी घटना पहले कभी नहीं हुई। पुलिस ने भीड़ अचानक बढ़ने के कारणों का पता लगाने और किसी साजिश की संभावना की जांच शुरू कर दी है।घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पीड़ित परिवारों में गहरा दुःख व्याप्त है, और कई लोग इस त्रासदी की खबर सुनकर टूट गए हैं। अधिकारियों ने भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और भीड़ नियंत्रण के उपाय करने का आश्वासन दिया है। इस भीषण हादसे ने धार्मिक आयोजनों में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के महत्व पर सवाल उठाए हैं, और प्रशासन को आगामी दिनों में सतर्क रहने की जरूरत को उजागर किया है।

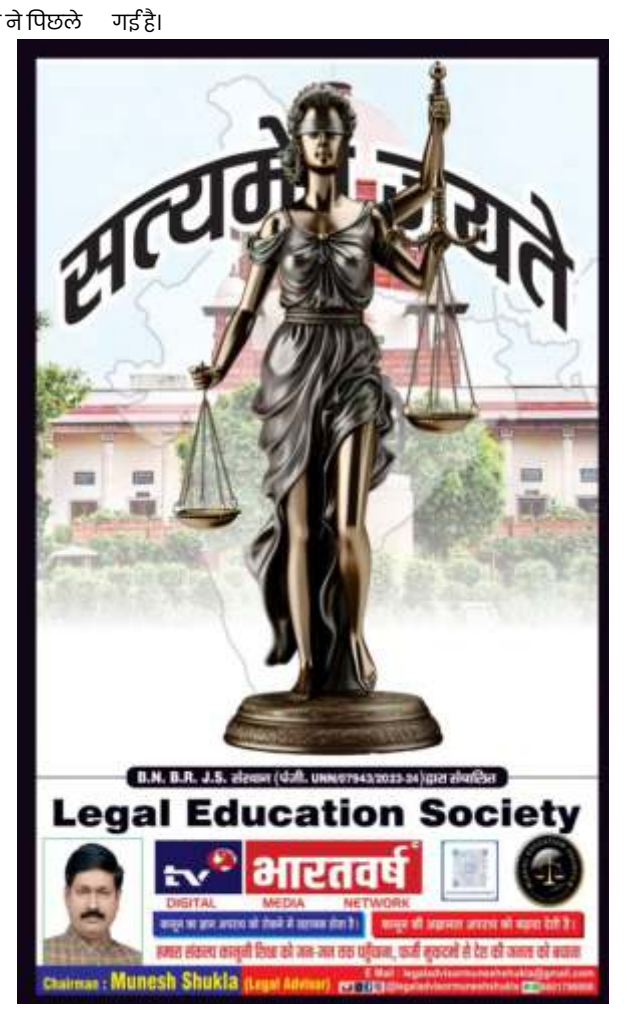

कॉर्पोरेट दुनिया में हलचल

M&A का बड़ा उदाहरण बना सौदा

नीदरलैंड्स स्थित मैग्नम आइस क्रीम कंपनी ने भारत की क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड में 61.9 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह सौदा भारत के फूड और कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। इस अधिग्रहण के बाद कंपनी के प्रवर्तक ढांचे में बड़ा परिवर्तन हुआ है, जिससे प्रबंधन और स्वामित्व दोनों स्तरों पर नई दिशा तय हुई है।क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड द्वारा शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, 30 मार्च 2026 को इस अधिग्रहण प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। यह सौदा शेयर खरीद समझौते (S P A) और अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत पूरा किया गया। इसके साथ ही मैग्नम आइस क्रीम कंपनी ने कंपनी पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है और उसे आधिकारिक तौर पर "नया प्रवर्तक" घोषित किया गया है।इस अधिग्रहण के तहत मैग्नम ने यूनिलीवर पीएलसी सहित पूर्व प्रवर्तकों से कुल 145.44 करोड़ शेयर खरीदे, जो कंपनी की कुल शेयर पूंजी का 61.9 प्रतिशत हिस्सा है। इस डील की शुरुआत 25 जून 2025 को हुई थी, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय पक्ष शामिल थे। अब इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद यूनिलीवर और अन्य पूर्व प्रवर्तकों को "प्रवर्तक" श्रेणी से हटाकर "सार्वजनिक" श्रेणी में पुनर्वर्गीकृत कर दिया गया है।इस बदलाव का असर केवल स्वामित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी के प्रबंधन ढांचे में भी बदलाव देखने को मिला है। कंपनी ने अभिजीत भट्टाचार्य को अतिरिक्त निदेशक (गैर-कार्यकारी एवं गैर-स्वतंत्र) के रूप में नियुक्त करते हुए उन्हें निदेशक मंडल का चेयरमैन बनाया है। वहीं ऋतेश तिवारी ने अतिरिक्त निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह अधिग्रहण भारतीय बाजार में वैश्विक कंपनियों की बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है। खासतौर पर आइसक्रीम और कंज्यूमर ब्रांड सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा को और तेज करने की संभावना है। मैग्नम जैसे प्रीमियम ब्रांड के नियंत्रण में आने के बाद क्वालिटी वॉल्स के उत्पाद पोर्टफोलियो, ब्रांडिंग और वितरण नेटवर्क में बदलाव देखने को मिल सकता है।शिक्षा और प्रबंधन के दृष्टिकोण से यह अधिग्रहण छात्रों और पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी के रूप में उभरता है। इसमें कॉर्पोरेट गवर्नेंस, शेयरहोल्डिंग पैटर्न, विलय एवं अधिग्रहण (M & A) प्रक्रिया, और अंतरराष्ट्रीय निवेश रणनीतियों को समझने का अवसर मिलता है।कुल मिलाकर, यह डील भारतीय उद्योग जगत में एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जो आने वाले समय में बाजार की प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता विकल्पों को प्रभावित कर सकती है।

मोरिन्हो बोले- बिना रोनाल्डो टीम सामान्य लगती है

पुर्तगाल को मैक्सिको के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच में गोलरहित ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। एज़्टेका स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पुर्तगाल और मैक्सिको दोनों ही टीमों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और खेल 0-0 से समाप्त हुआ। पुर्तगाल की ओर से कई प्रमुख खिलाड़ी मैदान में उतरे, लेकिन टीम के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस मुकाबले का हिस्सा नहीं थे।रोनाल्डो की गैरमौजूदगी को लेकर पहले से ही चर्चा थी और मैच के बाद इस पर प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। पुर्तगाल के दिग्गज कोच जोस मोरिन्हो ने टीम के प्रदर्शन पर खुलकर अपनी राय व्यक्त की। मोरिन्हो ने कहा कि जब रोनाल्डो टीम में नहीं होते, तो पुर्तगाल एक सामान्य टीम की तरह नजर आती है। उन्होंने यह भी कहा कि रोनाल्डो की मौजूदगी विरोधी टीम पर मानसिक दबाव डालती है और खेल के संतुलन को बदल देती है।मैच के दौरान पुर्तगाल का गेंद पर नियंत्रण था, लेकिन आक्रमण में धार की कमी स्पष्ट नजर आई। टीम के पास मौके जरूर बने, लेकिन उन्हें गोल में बदलने में सफलता नहीं मिली। रोनाल्डो की अनुपस्थिति ने इस कमजोरी को और उजागर कर दिया।पुर्तगाल की टीम में ब्रूनो फर्नांडिस, जोआओ कांसिलो और वितिन्हा जैसे खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन निर्णायक बढ़त हासिल नहीं कर सके। खेल के दौरान टीम के पास कई अवसर आए, लेकिन गोल न कर पाने से टीम का आक्रमण कमजोर दिखाई दिया। टीम को अब यह साबित करना होगा कि वह उनके बिना भी निर्णायक प्रदर्शन कर सकती है और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में प्रभावी रूप से खेल सकती है।

धोनी का रिकॉर्ड टूटा

ओवर्टन बने नंबर 8 पर सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज

'महारानी' वाला पोस्ट पड़ा भारी!

नसीम शाह पर 2 करोड़ का जुर्माना

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) ने तेज गेंदबाज नसीम शाह पर विवादित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो करोड़ पाकिस्तानी रुपये (करीब 72,000 डॉलर) का भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) 2026 के उद्घाटन मैच के दौरान किए गए एक पोस्ट के बाद की गई, जिसे बाद में हटा दिया गया।दरअसल, इस पोस्ट में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की मौजूदगी पर टिप्पणी की गई थी। वह लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंची थीं। नसीम शाह ने अपने पोस्ट में उनके स्वागत को लेकर व्यंग्य करते हुए लिखा था कि उन्हें "महारानी" की तरह व्यवहार क्यों दिया जा रहा है।यह मामला उस समय और संवेदनशील हो गया जब पीसीबी ने क्षेत्रीय हालात और ईंधन बचत के चलते लाहौर और कराची में दर्शकों की एंट्री पर प्रतिबंध लगा रखा था, जबकि वीआईपी मेहमानों की मौजूदगी को लेकर सवाल उठे।घटना के बाद 27 मार्च को नसीम शाह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। शुरुआत में यह दावा किया गया कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया था, लेकिन पीसीबी ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। बोर्ड की अनुशासन समिति ने जांच के बाद पाया कि खिलाड़ी ने अपने केंद्रीय अनुबंध और सोशल मीडिया दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है।पीसीबी के अनुसार, नसीम शाह ने नोटिस का जवाब देते हुए बिना शर्त माफी भी मांगी, लेकिन समिति ने उन्हें दोषी मानते हुए जुर्माना लगाने का फैसला बरकरार रखा। इसके अलावा, उनके सोशल मीडिया सलाहकार को भी हटा दिया गया और ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।यह मामला खिलाड़ियों के सोशल मीडिया व्यवहार और अनुशासन से जुड़े नियमों को लेकर एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

सिकंदर रजा ने शाहीन का बचाव किया

कहा – दोषी मैं हूं

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) की टीम लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और टीम के खिलाड़ी सिकंदर रजा विवादों में घिर गए हैं। इस बार मामला बॉल टैंपरिंग नहीं, बल्कि होटल सुरक्षा के उल्लंघन का है। आरोप है कि शाहीन और सिकंदर ने सुरक्षा कर्मचारियों की मना करने के बावजूद रात के समय होटल के कमरे में चार अनधिकृत व्यक्तियों को जबरन प्रवेश कराया। इस घटना के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने शाहीन शाह अफरीदी पर 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया है।पंजाब पुलिस की तरफ से PSएल सीईओ सलमान नसीर को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सिकंदर रजा और शाहीन ने होटल के सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया, जो गंभीर माना गया। घटना में शामिल चार व्यक्ति होटल में बिना अनुमति प्रवेश करने के लिए अनधिकृत थे, जिससे सुरक्षा में सेंध लगी।हालांकि, इस विवाद में सिकंदर रजा ने खुद सफाई दी है। उन्होंने कहा कि होटल में आए चार लोग उनके पुराने दोस्त और परिवार के सदस्य थे। उन्होंने बताया कि उन्होंने शाहीन से मदद मांगी थी, और शाहीन केवल उनके अनुरोध पर कार्रवाई कर रहे थे। रजा ने कहा, "शाहीन ने अपनी इच्छा से यह काम नहीं किया। दोषी मैं हूं, क्योंकि यह मेरे दोस्तों और परिवार के अनुरोध पर हुआ। वह इस पूरे मामले से पूरी तरह वाकिफ नहीं थे।" सिकंदर रजा ने आगे कहा कि वे अपने मेहमानों से ऊपरी मंजिल पर करीब 40 मिनट तक मिले और बिजनेस सेंटर में नहीं जाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्हें SOPs (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) की जानकारी नहीं थी, अन्यथा वे इस तरह का कोई जोखिम नहीं उठाते।इस विवाद ने लाहौर कलंदर्स की टीम की प्रतिष्ठा को झटका दिया है, क्योंकि PSL में लगातार नकारात्मक घटनाओं की चर्चा हो रही है। बोर्ड ने मामले को गंभीरता से लिया है और खिलाड़ियों की सुरक्षा नियमों का उल्लंघन न दोहराने के निर्देश दिए हैं।

गांगुली बोले—हर शहर को मिलना चाहिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का मंच

भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ (CAB) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि वह कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में अधिक से अधिक टेस्ट मैच होते देखना चाहते हैं, लेकिन साथ ही उन्हें यह भी संतोष है कि अब देश के अन्य शहरों में भी पारंपरिक प्रारूप के मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने हाल ही में 2026-27 घरेलू सत्र का कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट मुकाबले कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं रखे गए हैं। ये मैच नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।गांगुली ने 'मिरेकल एट ईडन' पुस्तक के विमोचन के दौरान कहा कि ईडन गार्डन्स पर बड़े टेस्ट मैचों का अपना अलग ही आकर्षण है। उन्होंने कहा कि एक प्रशासक और पूर्व खिलाड़ी के तौर पर वह चाहते हैं कि यहां अधिक टेस्ट आयोजित हों, हालांकि हाल के वर्षों में इस मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट, टी20 विश्व कप और आईपीएल जैसे बड़े आयोजन हो चुके हैं।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्रिकेट का विस्तार जरूरी है और देश के अन्य शहरों को भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी का मौका मिलना चाहिए। गांगुली ने कहा कि गुवाहाटी और रांची जैसे नए केंद्रों पर टेस्ट मैच होते देखना सकारात्मक संकेत है, क्योंकि वहां की सुविधाएं अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो चुकी हैं।इस बीच भारत के पूर्व स्पिनर वेंकटपति राजू ने अलग राय रखते हुए कहा कि उनके दौर में कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, कानपुर और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर ही टेस्ट मैच होते थे, जिसका अपना अलग महत्व और आकर्षण था।गांगुली ने यह भी जानकारी दी कि 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के सम्मान में ईडन गार्डन्स में एक विशेष समारोह आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम पहले होना था, लेकिन कुछ कारणों से इसे टालना पड़ा। कुल मिलाकर, भारतीय क्रिकेट में पारंपरिक और नए केंद्रों के बीच संतुलन बनाने की दिशा में बोर्ड के प्रयास जारी हैं, जिससे खेल का दायरा और भी व्यापक हो सके।

तेजस्वी के बेटे के साथ मस्ती, समर्थकों ने जताई घर वापसी की उम्मीद

भतीजे पर तेज प्रताप ने लुटाया प्यार

तेज प्रताप यादव का भतीजे ईराज के साथ खेलते हुए एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. वीडियो के बाद लोग इसे परिवार और आरजेडी से बढ़ती नजदीकियों का संकेत मान रहे हैं, वहीं कमेंट्स में कई यूजर्स ने रिश्तों की बर्फ पिघलने और उनकी वापसी की उम्मीद जताई है.

तेज प्रताप यादव अपने भतीजे पर प्यार लुटाते दिखे (Photo:Insta/@ty_vlog)

सोशल मीडिया पर तेज प्रताप यादव का एक नया वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने राजनीतिक गलियारों से लेकर समर्थकों के बीच नई चर्चा छेड़ दी है. इस वीडियो में वह अपने भतीजे ईराज के साथ खेलते और स्नेह लुटाते नजर आ रहे हैं.

वीडियो के सामने आते ही लोग इसे सिर्फ एक पारिवारिक पल नहीं, बल्कि रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत के तौर पर भी देखने लगे हैं. वीडियो में तेज प्रताप यादव अपने भतीजे ईराज के साथ बेहद स्नेहपूर्ण अंदाज में नजर आते हैं. बैकग्राउंड में फिल्म एनिमल का गाना 'पापा मेरी जान' सुनाई दे रहा है, जिसने इस पल को और भावुक बना दिया है. पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा-पापा का गर्व होता है, और पापा बेटे की सबसे बड़ी ताकत. वहीं इंस्टाग्राम पर उन्होंने यह भी लिखा कि भतीजा रिश्ता है, जिसमें बड़े पापा अपना बचपन फिर से जीते हैं.

यह पहला मौका नहीं है जब तेज प्रताप यादव अपने भतीजे पर प्यार लुटाते दिखे हों.

ईराज का जन्म 27 मई 2025 को कोलकाता में हुआ था. जन्म के ठीक बाद तेज प्रताप यादव ने X पर एक भावुक पोस्ट लिखते हुए खुद को बड़े पापा बनने का सौभाग्य मिलने की बात कही थी.

उन्होंने छोटे भाई तेजस्वी प्रसाद यादव और राजश्री यादव को बधाई देते हुए नवजात को अपना स्नेहिल आशीर्वाद और प्यार दिया था. इस नए वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स के कमेंट्स भी तेजी से आ रहे हैं.

सिक्योरिटी गार्ड ने गाया धुरंधर-2 का गाना, जीते लाखों दिल

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग भावुक हो रहे हैं. एक हाउसिंग सोसायटी का सिक्योरिटी गार्ड अपनी आवाज से इंटरनेट पर छा गया है. उसकी गायकी सुनकर लोग कह रहे हैं कि टैलेंट किसी पहचान या बड़े मंच का मोहताज नहीं होता. यह वीडियो इंस्टाग्राम यूजर अक्षय सिंह राजपूत ने शेयर किया है.

छोटे भाई को पुलिस अफसर बनते देख फफक पड़ा फॉरेस्ट गार्ड भाई

वर्दी को सलाम, भाई को दिया बड़ा पैगाम

सोशल मीडिया पर दो भाइयों का एक बेहद भावुक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग अपने आंसू नहीं रोक पा रहे. यह वीडियो दिखाता है कि खून के रिश्ते और किसी अपने की कामयाबी इंसान को कितनी गहराई से छू सकती है.वायरल क्लिप में दावा किया जा रहा है कि एक शख्स अपने छोटे भाई को मुंबई पुलिस की वर्दी में देखकर खुद को संभाल नहीं पाता और उसकी आंखों से आंसू निकल पड़ते हैं. छोटे भाई की सफलता उसे अपनी ही कामयाबी जैसी महसूस होती है. वीडियो को इंस्टाग्राम पर असलम शेख ने शेयर किया है. क्लिप में मुंबई

पुलिस का एक जवान पासिंग आउट परेड के दौरान पूरी वर्दी और सेरेमोनियल प्लूम के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है. उसकी चाल में अनुशासन और चेहरे पर गर्व साफ नजर आता है.

नया ट्रेंड हुआ वायरल

शादियों में 'गोरिल्ला डांस' का क्रेज

आजकल भारतीय शादियों में एक नया और मजेदार ट्रेंड देखने को मिल रहा है. पहले जहां शादियां पारंपरिक तरीके से होती थीं, वहीं अब नई पीढ़ी कुछ अलग और यादगार करने की कोशिश कर रही है. लोग अब सिर्फ रीति-रिवाजों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि अपनी शादी में ऐसा कुछ जोड़ना चाहते हैं जो उनके व्यक्तित्व को दिखाए और मेहमानों को भी एंटरटेन करे. इस ट्रेंड की शुरुआत सोशल मीडिया से हुई मानी जा रही है. एक शादी में गोरिल्ला की ड्रेस पहनकर डांस करते एक शख्स का वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद कई लोगों ने इसे अपनी शादी में अपनाना शुरू कर दिया. अब बारात और रिसेप्शन में अचानक गोरिल्ला

लोग परंपराओं के साथ-साथ मस्ती और नए आइडिया को भी अपनाने लगे हैं. (Photo: Instagram)

कॉस्ट्यूम पहने कलाकार आकर डांस करते हैं, जिससे माहौल और भी मजेदार बन जाता है. कुछ लोगों का कहना है कि इससे शादी का तनाव भी कम होता है और माहौल हल्का-फुल्का रहता है. कई कपल्स इसे अपनी पसंद और स्टाइल का हिस्सा मानते हैं. अब तो इसके लिए खास ग्रुप और कलाकार भी मिलते हैं, जो शादियों में परफॉर्म करने के लिए बुक किए जाते हैं. एक परफॉर्मेंस का खर्च करीब 8,000 रुपये तक होता है. कुल मिलाकर, यह ट्रेंड दिखाता है कि अब शादियों का तरीका बदल रहा है. लोग परंपराओं के साथ-साथ मस्ती और नए आइडिया को भी अपनाने लगे हैं, ताकि उनकी शादी खास और यादगार बन सके.

अनुष्का शेट्टी की धमाकेदार वापसी मलयालम सिनेमा में डेब्यू

'कथनार' का रहस्यमय टीजर हुआ रिलीज

दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी के लिए तैयार हैं। इस बार वह अपने करियर के अब तक के सबसे बड़े और खास प्रोजेक्ट कथनार-द वाइल्ड सॉर्सेरर के साथ दर्शकों के सामने आने वाली हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए अनुष्का पहली बार मलयालम सिनेमा में कदम रख रही हैं, जिससे उनके फैंस के बीच उत्साह और भी बढ़ गया है।हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया, जिसने दर्शकों को एक रहस्यमयी और जादुई दुनिया की झलक दिखाई। टीजर में शानदार विजुअल्स, रहस्य और थ्रिल का जबरदस्त मेल नजर आता है। फिल्म की कहानी एक शक्तिशाली जादूगर के जीवन और उसकी अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें फैंटेसी और थ्रिलर का ऐसा मिश्रण पेश किया गया है, जो भारतीय सिनेमा में कम ही देखने को मिलता है।फिल्म में मुख्य भूमिका में मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता जयसूर्या नजर आएंगे, जो इस जादुई किरदार को जीवंत करते दिखाई देंगे। उनके साथ अनुष्का शेट्टी की मौजूदगी फिल्म को और भी भव्य और आकर्षक बनाती है। इस फिल्म का निर्देशन रोजिन थॉमस ने किया है, जो अपनी अलग और अनोखी कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। फिल्म को श्री गोकुलम मूवीज द्वारा बड़े बजट में तैयार किया गया है। निर्माताओं ने फिल्म को तकनीकी रूप से बेहद मजबूत बनाने पर खास ध्यान दिया है, ताकि दर्शकों को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिल सके।फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी प्रभावशाली है। इसमें विनीत, सैंडी, नीतीश भारद्वाज और हरीश उथमन जैसे अनुभवी कलाकार शामिल हैं। सभी कलाकार अपने-अपने किरदारों के जरिए कहानी को और मजबूत बनाते नजर आएंगे।फिल्म का संगीत राहुल सुब्रमण्यम ने तैयार किया है, जो अपनी अनोखी धुनों और बैकग्राउंड स्कोर के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में संगीत और साउंड डिजाइन को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है, जिससे दर्शकों को एक गहराई वाला सिनेमाई अनुभव मिल सके।'कथनार-द वाइल्ड सॉर्सेरर' को केवल मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रखा जाएगा। मेकर्स इसे पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसका मतलब है कि फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी, जिससे यह देशभर के दर्शकों तक पहुंचेगी। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि यह प्रोजेक्ट भारतीय सिनेमा में फैंटेसी जॉनर को

एक नई पहचान दे सकता है। बड़े बजट, दमदार कलाकारों और शानदार तकनीक के साथ यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी बड़ी सफलता हासिल कर सकती है। अनुष्का शेट्टी के करियर की बात करें तो उन्होंने पहले भी कई सुपरहिट फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अब इस नए प्रोजेक्ट के साथ वह एक बार फिर साबित करने जा रही हैं कि वह बड़े और अलग तरह के किरदारों के लिए जानी जाती हैं।कुल मिलाकर, 'कथनार-द वाइल्ड सॉर्सेरर' एक ऐसी फिल्म के रूप में सामने आ रही है, जो न सिर्फ मनोरंजन करेगी बल्कि दर्शकों को एक नई और जादुई दुनिया की सैर भी कराएगी।

लखनऊ में एसटीएफ ने 52 लाख की

गांजा खेप के साथ ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार, मालिक फरार

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में एसटीएफ ने 2 क्विंटल गांजा बरामद कर ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया। गुप्त कैविटी में छिपाई गई खेप की कीमत 52 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में ड्राइवर ने मालिकों टीपू और तपन का नाम लिया; उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक ट्रक से 2 क्विंटल गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 52 लाख रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई में ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि एसटीएफ को पिछले कुछ दिनों से कई राज्यों से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिल रही थी। टीम लगातार इस गिरोह की गतिविधियों पर नजर रख रही थी।एसटीएफ को सूचना मिली कि ओडिशा से गांजा लदा ट्रक (नंबर JH-05 CX-4295) सुलतानपुर रोड के रास्ते लखनऊ आएगा और एचसीएल के पास सर्विस लेन में सुनसान जगह पर माल उतारा जाएगा। इस पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर घेराबंदी की और ट्रक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में बनी विशेष गुप्त कैविटी से कुल 200 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपी चालक की पहचान नालंदा, बिहार निवासी अजीत कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह इस ट्रक के मालिकों झारखंड निवासी टीपू और तपन के कहने पर ओडिशा से गांजा लाता और अलग-अलग स्थानों पर सप्लाई करता।चालक ने बताया कि ट्रेलर में खास तौर पर गुप्त कैविटी बनाई गई थी, जिसमें लगभग 5 क्विंटल तक गांजा छिपाया जा सकता था। इसके अलावा उसने खुलासा किया कि वह पहले भी 3-4 बार इसी तरह की खेप लाकर सप्लाई कर चुका है। हर चक्कर के लिए उसे 40 से 50 हजार रुपये दिए जाते थे। एसटीएफ ने बताया कि वाहन मालिक टीपू और तपन फिलहाल फरार हैं, उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इस पूरे मामले में थाना सुशांत गोल्फ सिटी में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।एसटीएफ अधिकारियों ने कहा कि इस गिरफ्तारी से तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने बताया कि इस गिरोह के अन्य सदस्य भी लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इस मामले की जांच में अंतरराज्यीय पहलुओं को भी शामिल किया जा रहा है। गुप्त कैविटी के माध्यम से इतनी बड़ी खेप की तस्करी से साफ है कि इस गिरोह के पास उच्च तकनीक और परिष्कृत योजना थी। एसटीएफ की सतर्कता और सक्रिय जांच के कारण ही यह बड़ा खुलासा संभव हुआ। नगरवासियों के लिए यह एक चेतावनी भी है कि मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां लगातार सतर्क हैं। अधिकारी यह भी बता रहे हैं कि आम जनता को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देना चाहिए, ताकि ऐसे नेटवर्क को समय रहते पकड़ा जा सके। इस तरह एसटीएफ ने न सिर्फ लखनऊ में मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाया, बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक बड़ी पहल की है।

लखनऊ में मार्च महीने का रिकॉर्ड तोड़ तापमान

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सोमवार को मार्च महीने का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार शहर में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक था। वहीं, न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है। अधिकतम आर्द्रता 72 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 33 फीसदी रही।मंगलवार सुबह हल्के बादल छाए रहे, लेकिन इसके बाद मौसम साफ हो गया और धूप खिल गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री के आसपास रहेगा। दिन में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, हालांकि अधिकतर समय मौसम साफ रहेगा।मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 29 मार्च से शुरू हुई बारिश प्रदेश के विभिन्न इलाकों में 1 अप्रैल तक जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान में 31 मार्च तक 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। इसके बाद अगले 48 घंटों में तापमान में फिर 2 से 4 डिग्री की क्रमिक बढ़ोतरी की संभावना है।उन्होंने बताया कि उत्तरी ईरान और कैस्पियन सागर के आसपास बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव है। इसके साथ ही पंजाब-हरियाणा के निचले हिस्सों से उठते चक्रवात पश्चिमी राजस्थान होते हुए उत्तरी-पूर्वी अरब सागर तक द्रोणी बना रहे हैं। प्रदेश के उत्तरी-पश्चिमी भाग में निचले क्षोभ मंडल में भी चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जो मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ होते हुए ओडिशा तक फैला हुआ है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी पछुवा हवाओं के साथ मिलकर बारिश का कारण बन रही है।

कचरे के ढेर से मुक्ति और बिजली का नया स्रोत तैयार

नगर निगम ने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के लिए कंसल्टेंट नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ – नगर निगम ने शहर की सफाई और कचरा प्रबंधन में सुधार के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। नगर निगम के सदन से वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का प्रस्ताव पास होने के बाद अब परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह हाईटेक प्लांट लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा और इसका उद्देश्य शहर के कचरे का वैज्ञानिक निपटान करते हुए उससे ऊर्जा उत्पादन करना है।नगर निगम ने कंसल्टेंट नियुक्ति के लिए आधिकारिक टेंडर जारी कर दिए हैं। नियुक्त किए गए कंसल्टेंट की जिम्मेदारी होगी कि वह प्लांट की रूपरेखा, तकनीक, संचालन और वित्तीय पहलुओं पर काम करे। इस प्रक्रिया के दौरान कंसल्टेंट को दो महीने का समय दिया गया है, जिसमें वह अपनी विस्तृत रिपोर्ट नगर आयुक्त को सौंपेगा। रिपोर्ट में प्लांट की पूरी कार्यप्रणाली और रोडमैप तैयार होगा, जिसके आधार पर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद राव ने बताया कि इस परियोजना से शहर में कूड़े के ढेर से निजात मिलेगी और एक नए, स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा स्रोत का विकास होगा। उन्होंने कहा कि यह प्लांट न केवल कचरा प्रबंधन में सुधार लाएगा, बल्कि लखनऊ को देश के स्वच्छ और ऊर्जा-कुशल शहरों की श्रेणी में शामिल करने में मदद करेगा।नगर निगम के सदन में प्रस्ताव पास होने के बाद अब प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। परियोजना के तहत प्लांट में कचरे से बिजली उत्पादन की आधुनिक तकनीक लागू की जाएगी। कंसल्टेंट की रिपोर्ट मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा और उम्मीद है कि यह परियोजना लखनऊ में कचरा प्रबंधन और ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। वेस्ट टू एनर्जी प्लांट जैसी पहल से न केवल शहर के कचरे की समस्या का समाधान होगा, बल्कि यह शहर की ऊर्जा जरूरतों में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। इसके साथ ही नगर निगम की इस पहल से न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, बल्कि शहर के नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण मिलेगा।इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत के साथ ही लखनऊ के सफाई और ऊर्जा प्रबंधन में एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में शहर की छवि को सकारात्मक रूप से बदल देगा।

अवैध चीता और तेंदुए के अंगों की तस्करी का बड़ा खुलासा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ की CBI कोर्ट ने एक बड़े वन्यजीव तस्करी मामले में छह आरोपियों को दोषी करार दिया है। यह मामला चीता और तेंदुए के अंगों की अवैध तस्करी से जुड़ा था। अदालत ने सभी आरोपियों मुमताज अहमद, जैबुन निशा, अजीज उल्लाह, वहीद, सरताज और मजीद को दो-दो साल की जेल की सजा और 10 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया। इस फैसले से वन्यजीव अपराध के खिलाफ सख्त संदेश गया है।जांच में सामने आया कि आरोपियों ने संगठित तरीके से वन्यजीव तस्करी के अवैध नेटवर्क का संचालन किया। CBI ने आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित वन्यजीव अंग बरामद किए। इसमें 18,000 तेंदुए के नाखून, 74 तेंदुए की खाल, 4 बाघ की खाल और बाघ-तेंदुए की हड्डियां शामिल थीं। ये सभी वस्तुएं वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट-1972 की अनुसूची-1 के तहत आती हैं, जिन पर देश में सर्वोच्च सुरक्षा और पूर्ण व्यापार प्रतिबंध लागू है।CBI ने इस मामले की प्रारंभिक शिकायत 23 मार्च 2000 को दर्ज की थी। जांच में स्पष्ट संकेत मिले कि यह एक संगठित गिरोह का सक्रिय नेटवर्क था। विस्तृत जांच और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद 15 जुलाई 2000 को अदालत में शिकायत दाखिल की गई। लगभग दो दशक लंबी सुनवाई और गवाहों के बयान के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराया।

खराब होने की शिकायत पर ढाबा मालिक ने युवक से की बेरहमी से मारपीट

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

रायबरेली रोड स्थित वृंदावन योजना गेट के सामने ढाबे पर एक युवक की जमकर पिटाई कर दी गई। आरोप ढाबे मालिक और उसके बेटे पर है। युवक ने खाना अच्छा न होने पर शिकायत की जिसके बाद ढाबा मालिक ने उसे पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित युवक ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है जिस पर मामला दर्ज हो गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीजीआई इलाके के ग्रीनबेरी सिग्नेचर्स कॉलोनी निवासी गगनजीत 27 मार्च की रात करीब 11:30 बजे पीजीआई स्थित गुप्ता भोजनालय में खाना खाने गए थे। वहां उन्होंने शिकायत की कि खाना अच्छा नहीं है। इस पर पहले ढाबा मालिक मदन गुप्ता से कहासुनी हुई, फिर मारपीट भी हो गई। पीड़ित गगनजीत के मुताबिक, खाना सही न होने की शिकायत करते ही ढाबा मालिक, उनके बेटे और कुछ अन्य लोगों ने पीड़त से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित को धक्का देकर गिरा दिया और लाठी-डंडों व सरिया से जमकर मारपीट की। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। इस हमले में गगनजीत गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए और बेहोश हो गए। घटना के दौरान मौजूद राहगीरों ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

लखनऊ में स्मार्ट मीटर से अब बिजली कनेक्शन होगा सिर्फ दो घंटे में बहाल

शहर में स्मार्ट मीटर उपयोगकर्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। अब अगर किसी उपभोक्ता का स्मार्ट मीटर कनेक्शन किसी कारण से कट जाता है, तो बिल जमा करने के दो घंटे के भीतर ही कनेक्शन दोबारा जोड़ दिया जाएगा। वहीं, अगर बिजली बिल नेगेटिव बैलेंस में चला जाता है, तो उपभोक्ताओं को तीन दिनों का ही ग्रेस पीरियड मिलेगा। यह सुविधा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (MVVNL) के स्मार्ट ऐप के माध्यम से उपलब्ध होगी।मंगलवार को लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान एमडी रिया केजरीवाल ने बताया कि स्मार्ट मीटर और वर्टिकल व्यवस्थाओं के तहत लगातार सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर में अब तक 3,46,000 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से 52 हजार में शिकायत आने के बाद बदलाव कर दिए गए। इसके चलते ट्रिपिंग की घटनाओं में भी पिछले वर्षों की तुलना में कमी आई है। एमडी केजरीवाल ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं की सुविधा बढ़ाना है। इसमें ह्यूमन इंटरफेस कम किया गया है, जिससे कामकाज अधिक प्रभावी हुआ है। अब किसी भी उपभोक्ता को लाइन मैन खोजने की जरूरत नहीं होगी। स्मार्ट ऐप के माध्यम से पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके अलावा, विभाग ने लोगों को नए नियमों के बारे में जागरूक करने के लिए लाखों संदेश भेजे हैं और रोजाना

100 सदस्यीय टीम फोन करके उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान कर रही है। उन्होंने बताया कि 1912 हेल्पलाइन और बिजली विभाग के व्हाट्सएप चैट बोट से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है, जिससे समस्या का तुरंत निस्तारण संभव है। स्मार्ट मीटर की रीडिंग को लेकर आई शिकायतों पर भी एमडी ने कहा कि कुल 69 हजार चेक मीटर लगाए गए हैं और इनमें किसी भी मीटर में कोई बड़ी त्रुटि नहीं पाई गई। रिया केजरीवाल ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले तीन-चार वर्षों में लाइन और ट्रांसफार्मर की मेंटेनेंस पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे लखनऊ में बिजली आपूर्ति बेहतर हुई है। स्मार्ट मीटर और नई वर्टिकल व्यवस्थाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं को बेहतर, तेज और सुविधाजनक सेवाएं देने का प्रयास किया जा रहा है।इस पहल से न केवल उपभोक्ताओं की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी और लखनऊ को स्मार्ट सिटी के रूप में उभरने में मदद मिलेगी।

विधायक अनिल सिंह का सपा पर हमला

अफवाह फैलाने का लगाया आरोप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

वैश्विक तनाव और तेल आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच पुरवा विधानसभा सीट से अनिल सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की ओर से स्थिति स्पष्ट करते हुए समाजवादी पार्टी पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है।पुरवा विकास खंड मुख्यालय पर आयोजित केंद्र सरकार के "9 साल बेमिसाल" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक अनिल सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि देश में गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की घबराहट में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।विधायक ने सपा नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे अब "राजनीतिक रूप से बेरोजगार" हो चुके हैं और उनके "दलाली के धंधे" बंद हो गए हैं। इसी कारण वे अफवाहें फैलाकर जनता में डर और भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह स्थिति "नाच न आवे आंगन टेढ़ा" जैसी हो गई है।अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर बोलते हुए अनिल सिंह ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव तथा वैश्विक स्तर पर युद्ध जैसे हालात की चर्चाओं के बावजूद भारत सरकार ने स्थिति को संतुलित बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि तेल टैंकरों पर मिसाइल हमलों जैसी खबरों के बावजूद देश में पेट्रोलियम पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई है।उन्होंने यह भी बताया कि सरकार लगातार कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए प्रयासरत है, जिससे आम जनता पर कोई अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। विधायक ने स्पष्ट किया कि देश में किसी भी प्रकार की आवश्यक वस्तु की कमी नहीं है और बाजार में पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनी हुई है।अनिल सिंह ने यह भी दावा किया कि परेशानी केवल उन लोगों को हो रही है जो कालाबाजारी और जमाखोरी के जरिए मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार की उन पर कड़ी नजर है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।कार्यक्रम के दौरान विधायक ने केंद्र सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियों को भी विस्तार से गिनाया और विभिन्न विकास योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।अंत में उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैल रही अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि केवल प्रशासन और सरकार द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें, ताकि अफवाहों से बचा जा सके और सामाजिक व्यवस्था बनी रहे।

जांच के बाद रेलवे का एक्शन, अनुशासनहीनता पर जीरो टॉलरेंस

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव रेलवे स्टेशन पर तैनात स्टेशन अधीक्षक त्रिभुवन जोशी को रेलवे प्रशासन ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई प्रशासनिक आधार पर की गई है, जिसमें ड्यूटी के दौरान गैरहाजिरी, स्टेशन का चार्ज न सौंपने और कर्मचारियों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लिया गया। जानकारी के अनुसार, हाल ही में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के निरीक्षण के दौरान स्टेशन अधीक्षक त्रिभुवन जोशी स्टेशन पर मौजूद नहीं पाए गए थे। रेलवे प्रशासन ने जिम्मेदार अधिकारी की अनुपस्थिति को गंभीर लापरवाही माना। इस मामले की रिपोर्ट मंडल कार्यालय भेजी गई, जिसके बाद पूरे प्रकरण की समीक्षा की गई। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, स्टेशन अधीक्षक का स्थानांतरण पहले ही दूसरे स्टेशन पर कर दिया गया था। इसके बावजूद, उन्होंने उन्नाव जंक्शन का विधिवत चार्ज नए अधिकारी को नहीं सौंपा। प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन न करने को भी कार्रवाई का एक प्रमुख कारण माना गया है, जिससे स्टेशन के कार्य संचालन पर असर पड़ा था। इसके अतिरिक्त, स्टेशन के कई कर्मचारियों ने भी डीआरएम कार्यालय में लिखित शिकायतें भेजी थीं। इन शिकायतों में अधीक्षक की कार्यशैली और व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई गई थी। कर्मचारियों का आरोप था कि कार्यस्थल पर समन्वय की कमी और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता का अभाव था, जिससे कार्य व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। रेलवे प्रशासन ने सभी शिकायतों और निरीक्षण रिपोर्ट को संज्ञान में लेकर जांच के बाद निलंबन की कार्रवाई की।

हाईटेंशन लाइन में स्पार्किंग से गेहूं की फसल जली, किसानों को भारी नुकसान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के पुरवा तहसील क्षेत्र के पश्चिम गांव में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन में अचानक स्पार्किंग होने से गेहूं के खेतों में आग लग गई। इस आगजनी की घटना में लगभग 7 से 8 बीघा तैयार गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इसके चलते तेज स्पार्किंग शुरू हो गई और लाइन से निकली चिंगारियां नीचे खड़ी सूखी और पक चुकी गेहूं की फसल पर गिरने लगीं। उस समय तेज हवा चल रही थी, जिससे आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के खेत भी इसकी चपेट में आ गए।आग की लपटें उठती देख गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और किसान मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने पानी, मिट्टी और टहनियों की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दमकल विभाग को भी घटना की सूचना दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया। हालांकि, तब तक खेतों में खड़ी गेहूं की पूरी फसल जल चुकी थी। इस घटना में पश्चिम गांव निवासी बिंदाना पत्नी झूरी लाल, नंद किशोर, भोंडाई व सज्जन पुत्रगण प्रभु तथा रघुराज पुत्र रामभरोसे की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। प्रभावित किसानों ने बताया कि उनकी फसल पूरी तरह तैयार थी और कुछ ही दिनों में कटाई शुरू होने वाली थी। ऐसे में अचानक लगी इस आग ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा।घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी राजस्व टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ लेखपाल फाजिल अंसारी और आशीष गुप्ता ने जले हुए खेतों का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया तथा आवश्यक विवरण दर्ज किया। नायब तहसीलदार ने प्रभावित किसानों को आश्वासन दिया कि क्षति की रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी और नियमानुसार शीघ्र ही मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में बिजली लाइनों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छह घंटे में 20 से ज्यादा मरीज पहुंचे अस्पताल बच्चों की संख्या अधिक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

बदलते मौसम के बीच जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई। बुखार, डायरिया और पेट से जुड़ी बीमारियों के चलते इमरजेंसी वार्ड में मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे अस्पताल की व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव देखा गया।अस्पताल प्रशासन के अनुसार, महज छह घंटे के भीतर 20 से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंचे, जिनमें बच्चों की संख्या सबसे अधिक रही। लगातार बढ़ती गर्मी और तापमान में उतार-चढ़ाव को इस स्थिति का मुख्य कारण बताया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि इन दिनों डायरिया, उल्टी-दस्त और बुखार के मामलों में तेजी आई है, जिससे अस्पताल में मरीजों का दबाव बढ़ गया है।जिला अस्पताल के एक चिकित्सक ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण संक्रामक बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। विशेष रूप से छोटे बच्चे इसकी चपेट में अधिक आ रहे हैं, हालांकि बुजुर्ग मरीजों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा, "डायरिया और बुखार के मरीज लगातार आ रहे हैं, जिसके चलते इमरजेंसी वार्ड में भीड़ बढ़ गई है।"स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अस्पताल में बेड की कमी के चलते एक ही बेड पर दो मरीजों को लिटाकर इलाज करना पड़ रहा है, ताकि किसी भी मरीज को उपचार से वंचित न रहना पड़े। सुबह से मरीजों के आने का सिलसिला लगातार जारी है और अस्पताल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अस्पताल प्रशासन ने बढ़ती भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। मरीजों को तत्काल प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है और गंभीर मामलों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उनका कहना है कि डायरिया जैसी बीमारियों का प्रारंभिक इलाज घर पर संभव है, लेकिन लापरवाही करने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। साफ और उबला हुआ पानी पीना चाहिए तथा जरूरत पड़ने पर ग्लूकोज या ओआरएस घोल का सेवन करना चाहिए। इसके अलावा बाहर का बासी या खुला खाना खाने से बचना, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना और बच्चों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।अस्पताल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को गंभीर लक्षण जैसे लगातार उल्टी, दस्त या तेज बुखार हो, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल में संपर्क करें, ताकि समय रहते उचित उपचार मिल सके।

डीसीएम की टक्कर से युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के सोहरामऊ कस्बे में सोमवार रात एक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार डीसीएम ने सड़क पार करते समय उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान 36 वर्षीय अश्वनी मिश्रा के रूप में हुई है, जो देवरिया जिले के मझरिया गांव के निवासी माधवजी मिश्रा के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, अश्वनी किसी काम से सोहरामऊ कस्बे आए थे और एक दुकान से सामान खरीदने के बाद सड़क पार कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अश्वनी जैसे ही डिवाइडर से उतरकर सड़क पार करने लगे, तभी कानपुर से लखनऊ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद डीसीएम चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर सोहरामऊ थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके। स्थानीय लोगों ने कस्बे में तेज रफ्तार वाहनों की बढ़ती आवाजाही पर चिंता व्यक्त की है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और फरार डीसीएम चालक की तलाश जारी है।

उन्नाव के मिश्रा घाट पर बवाल: पंडा पर डंडों से हमला, CCTV में कैद पूरी वारदात

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में मारपीट की एक घटना सामने आई है, जिसमें मिश्रा घाट पर काम करने वाले एक पंडा को डंडे से हमला कर घायल कर दिया गया। घटना का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मिश्रा घाट पर कार्यरत टेना पंडा (48), निवासी देवाराकला थाना गंगाघाट, का क्षेत्र के ही सोनू धानुक (35) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि आरोपी ने टेना पंडा पर डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में टेना पंडा को गंभीर चोटें आईं।घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह विवाद को शांत कराया। इसके बाद घायल टेना पंडा ने गंगाघाट कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी सोनू धानुक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है और फुटेज को जांच में शामिल किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई।

सेवा भारती वार्षिकोत्सव में समाज सेवा और संस्कारों का संदेश

बच्चों ने नाटकों और गीतों से जगाई राष्ट्रभक्ति की भावना

सेवा भारती के वार्षिकोत्सव में समाज के प्रति जिम्मेदारी, संस्कार, स्वावलंबन और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य पर जोर दिया गया। बच्चों ने नाटकों, भजन, योग और समसामयिक गीतों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, स्वास्थ्य, नारी शिक्षा और स्वतंत्रता संग्राम पर संदेश प्रस्तुत किए। कार्यक्रम सफल और प्रशंसनीय रहा।

टीवी भारतवर्ष हाथरस

सेवाभारती के वार्षिकोत्सव के रूप में कार्यकर्ताओं की लगन उनके कार्यों की एक झलक के साथ-साथ समाज के प्रति जबाब देही भी है कि समाज स्वयं देखे कि उसके सहयोग का सही उपयोग हो रहा है या नहीं।सेवा भारती शिक्षा के माध्यम से संस्कार और नैतिकता निरोगीकाया, स्वावलम्बन हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भरता और 'भजन मण्डली के माध्यम से धार्मिक जागरण के साथ सामाजिक सुरक्षा की चेतना जगाकर धर्मान्तिरण और लवजेहाद जैसे कुचक्रों से बचाने का प्रयास कर रही है।उक्त विचार लेबर कॉलौनी स्थित सरस्वती शिशु/विद्या मन्दिर इ0कॉ0 हाथरस के प्रांगण में आयोजित सेवा भारती की जनपद इकाई के वार्षिक समारोह के मुख्य वक्ता के रूप में उक्त सेवा भारती बृज प्रदेश की उपाध्यक्षता श्रीमती डॉ0 निर्मला सिंह ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि दलित, वंचित, उपेक्षित और साधन विहीन समाज संस्कारित और सजग होकर खड़ा होगा तभी देश की सामाजिक सुरक्षा अमेघ बन सकेगी। सेवा भारती के क्रियाकलापों की विस्तार से तथा उदाहरण सहित चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह सर्व समाज के सहयोग से ही सम्भव है इसलिए उन्होंने सम्पन्न से सेवा भारती को मुख्य हस्त से सहयोग करने की आग्रह किया। सेवा भारती ब्रजप्रदेश की भजन मण्डली प्रमुख श्रीमती सीमा कौशिक ने सेवागीत प्रस्तुत कर सेवाभारती के उद्देश्यो को बताया। इस अवसर पर सेवा भारती के विभिन्न केन्द्रो जिनमें जोगिया प्रथम, न0सिंघी, न0 अलगर्जी, रमचैला और बैनीराम बाग के बच्चो के राष्ट्र भक्ति, समाज सुधार और अन्य सम सामयिक गीत तथा नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों का मनमोह लिया। इन बच्चों ने सरस्वती वंदना के बाद, रानी झांसी बाई पर आधारित नाटक मैं रहूँ न रहूँ ये भारत रहना चाहिए प्रस्तुत कर दर्शकों को उद्वेलित कर दिया। शहीदों की फांसी पर केन्द्रित 'मेरा रंग दे बसंती चोला' ने स्वतंत्रता संग्राम में शहीदों की श्रद्धांजलि अर्पित की। 'मोबाइल बुरी बला है' तथा स्वास्थ्यघाती फास्टफूड पर आधारित नाटकों ने बच्चों और युवाओं के इसके अति उपयोग से बचने का संदेश दिया। वहीं सूर्यनमस्कार और योगासन, नाटकों ने योग के महत्व को रेखांकित किया। हास्य पर आधारित 'अनपढ़ बहू' नाटक ने नारी शिक्षा की आवश्यकता प्रतिपादित की इस अवसर पर सेवा भारती के प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र वार्ष्णेय एवं प्रान्तीय कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह परिहार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारत आयुर्वेद वर्क्स के स्वामी कृष्ण कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में बच्चों की भूमिका की सराहना एवं प्रशंसा की। कार्यक्रम का सफल और प्रशंसनीय संचालन सेवाभारती के जिला कोषाध्यक्ष भवतेन्द्र पाल सिंह और जिला उपाध्यक्ष वासुदेव माहौर एड0 ने संयुक्त रूप से किया। अन्त में सेवाभारती के जिलाध्यक्ष डॉ0 वीपी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में ललित किशोर अग्रवाल, भंवर सिंह पौरुष, नगर अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल (व्यापार मंडल), जिला मंत्री राजीव आर्य, अनु विमल, मुकेश कुमार सिंह, शिवकुमार शर्मा, विद्यालय के प्रबन्धक मनोज अग्निहोत्री का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा। पूर्व चेयरमैन डौली माहौर, अल्का वार्ष्णेय, कल्पना गुप्ता, मंजू आर्य, संघ के नगर सहकार्यवाह टिंकू राना, सीपी सिंह, रनवीर सिंह पौरुष, वैद्य मोहन बृजेश रावत, पवन गोयल, गगन गोयल, संजीव विश्नावत, श्रवण कुमार अग्रवाल, केपी सिंह शिक्षक, रामरक्षपाल सिंह, महेन्द्र लाम्बा, रामजीलाल शर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, संतोष कुमार, मोहित अग्निहोत्री, ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ0 कमल किशोर लामा, डॉ0 टीकम सिंह, मदन सिंह, तथा गौरांग कौशिक की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

यूपी कैडर 2022 बैच के आईएएस रिंकू सिंह राही ने इस्तीफा दिया

उत्तर प्रदेश कैडर 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने अचानक नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। रिंकू सिंह राही का नाम उस समय सुर्खियों में आया था जब वे शाहजहांपुर में एसडीएम पद पर तैनात थे और तहसील निरीक्षण के दौरान वकीलों के सामने एक मुंशी को उठक-बैठक लगवाने के मामले में चर्चा में आए थे। इस घटना के बाद उन्हें 30 जुलाई 2025 को एसडीएम पद से हटाकर लखनऊ के राजस्व परिषद में अटैच कर दिया गया था।रिंकू सिंह राही का जन्म 20 मई 1982 को उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुआ। उनके पिता एक छोटी आटा चक्की चलाते थे और परिवार की आर्थिक स्थिति साधारण थी। प्रारंभिक शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई, जबकि 12वीं की पढ़ाई में उन्होंने अच्छे अंक हासिल किए, जिससे उन्हें स्कॉलरशिप मिली। रिंकू ने बाद में टाटा इंस्टीट्यूट से बीटेक की डिग्री प्राप्त की। वे दलित समुदाय से आते हैं और 2004 में यूपीपीसीएस परीक्षा पास करने के बाद 2008 में जिला समाज कल्याण अधिकारी बनाए गए। इसके साथ ही उन्होंने UPSC की तैयारी जारी रखी और 2021 में यूपीएससी परीक्षा पास कर 683वीं रैंक हासिल की। 2009 में मुजफ्फरनगर जिले में समाज कल्याण अधिकारी के रूप में रहते हुए उन्होंने 100 करोड़ रुपये के स्कॉलरशिप घोटाले का भंडाफोड़ किया। इसी दौरान उन पर हमला हुआ जिसमें उन्हें सात गोलियां लगीं।

मातृशक्ति हर मोर्चे पर अव्वल : गंगा धाकड़

टीवी भारतवर्ष कानपुर

विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश मातृशक्ति प्रकोष्ठ की मासिक वर्चुअल बैठक प्रदेश अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता गंगा धाकड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई । मातृशक्ति को संबोधित करती हुईं गंगा धाकड़ ने कहा कि, मातृशक्ति की बहनें हर मोर्चे पर सबसे आगे हैं । घर परिवार को देखते हुए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री लोक सन्यासी महंत योगी आदित्यनाथ महाराज जी के हिंदुत्व के मिशन पर समर्पण भाव से कार्य कर रही हैं। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक का संचालन करती हुई प्रदेश महामंत्री संगीता मिश्रा ने कहा कि, 1 अप्रैल को शुक्रताल मुजफ्फरनगर में होने वाली बैठक में मातृशक्ति बढ़-चढ़कर भाग लेंगी । प्रदेश उपाध्यक्ष गण आशा सभरवाल, नीलम गिरी, आशा शर्मा, सुषमा श्रीवास्तव ने कहा कि, हर जिले में वंदे मातरम चौक के लिए ज्ञापन देने में मातृशक्ति आगे रहीं । विश्व हिंदू महासंघ उत्तर की वर्चुअल बैठक में उक्त के अतिरिक्त रेखा श्रीवास्तव, विंध्यवासिनी प्रजापति , अनु शर्मा, डाली गुप्ता, मंजूरानी पाण्डेय , रेनू गुप्ता अनुराधा गिरी, रूपाली अवस्थी , प्रेमा श्रीवास्तव , श्वेता उपाध्याय, मीनू अग्रवाल, सरवानी धारा, नंदिता चटर्जी, अनीता चौधरी, जयंती चटर्जी इत्यादि मात्र शक्तियों ने भी अपने विचार रखे। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने मातृशक्ति के कार्यों की सराहना की।

विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक 1 अप्रैल को संगठनात्मक मुद्दों पर होगा मंथन

अनुसूया आश्रम शुक्रताल मुज़फ्फरनगर में सुबह 11 बजे से होगी बैठक

टीवी भारतवर्ष मुज़फ्फरनगर

मुज़फ्फरनगर जनपद के शुक्रताल स्थित अनुसूया आश्रम में 1 अप्रैल, बुधवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति करेंगे। इस अवसर पर नवरात्र और रामनवमी की शुभकामनाओं के साथ प्रदेश पदाधिकारियों, प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों एवं जिला अध्यक्षों को सादर आमंत्रित किया गया है। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। प्रथम प्रस्ताव के अंतर्गत विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष गंगा धाकड़ द्वारा शिकायतों पर विचार रखा जाएगा,जिसमें विश्व हिंदू महासंघ संगठन के किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ खुलकर शिकायत करने का अवसर दिया जाएगा। इस दौरान "पंच परमेश्वर" के निर्णय को सभी के लिए मान्य माना जाएगा, साथ ही सोशल मीडिया पर शिकायतों को विश्व हिंदू महासंघ संगठन की छवि के लिए हानिकारक बताते हुए इससे बचने की अपील की गई है। द्वितीय प्रस्ताव वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रदेव सिंह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें "वंदे मातरम चौक" नामकरण को लेकर पूर्व ज्ञापन की समीक्षा तथा आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। नगर निकायों के अधिकारियों को भी ज्ञापन देने पर विचार किया जाएगा। तृतीय प्रस्ताव क्षेत्रीय महामंत्री शरद परमार द्वारा रखा जाएगा, जिसमें 5 जून को उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ महाराज जी के जन्मोत्सव को "हिंदू स्वाभिमान दिवस" के रूप में मनाने तथा ऐतिहासिक नामों के पुनर्स्थापन पर विचार होगा। चतुर्थ प्रस्ताव विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश धर्माचार्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य डॉ. हरिओम पाठक द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने पर विमर्श होगा। अंत में संभाग प्रभारी पंकज वालिया सहित अन्य पदाधिकारी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक में अन्य प्रस्ताव अध्यक्ष की अनुमति से शामिल किए जाएंगे।